2023 में कार की चोरी की घटना में वृद्धि दर्ज

-बाइक लूट की घटनाएं नौ गुना से भी ज्यादा

नई दिल्ली ।

साल 2023 में भारत में कार की चोरी की संख्या में दोगुनी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी तरह बाइक लूट की घटनाएं कारों की तुलना में नौ गुना से भी ज्यादा हुई। दिल्ली मोस्ट स्टोलन व्हीकल्स की लिस्ट में सबसे ऊपर है। 2023 में दिल्ली में मोस्ट रिकॉर्डेड व्हीकल रॉबरीज की लिस्ट में सबसे टॉप में है। 2023 में चोरी हुए वाहनों की कुल संख्या में 37 प्रतिशत हिस्सेदारी दिल्ली की है। यहां हर 12 मिनट में एक व्हीकल चोरी हो जाती है। सबसे ज्यादा डकैती वाले इलाकों में उत्तम नगर, भजनपुरा, शाहदरा, बदरपुर और पटपड़गंज के नाम शामिल हैं। 2023 व्हीकल थेफ्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि मारुति सुजुकी की वैगनआर भारत में सबसे अधिक चोरी होने वाली कार है, जिसने मारुति सुजुकी की ही स्विफ्ट और डिजायर को भी पीछे छोड़ दिया है। इसके बाद ह्यूदै की ग्रांड आई10, सेंट्रो, क्रेटा और होंडा सिटी के नाम शामिल हैं। होंडा स्पलेंडर को 2023 की सबसे अधिक चोरी की गई बाइक के रूप में दर्ज किया गया। इसके बाद होंडा एक्टिवा , टीवीएस अपाचे और रॉयल इनफिल्ड क्लासिक 350 के नाम हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम पुलिस विभाग ने कहा कि 'हाई रीसेल वैल्यू और स्पेयर पार्ट्स की ज्यादा डिमांड के कारण चोरी की गई 10 बाइक में से छह हीरो सीडी डीलक्स , हीरो एचएफ डीलक्स, हीरो स्पेलेंडर और हीरो स्पेलेंडर प्ल स हैं।' रिपोर्ट से यह भी पता चलता है कि सफेद रंग की कारें सबसे ज्यादा चोरी की गईं और इस लिस्ट में बेंगलुरु का स्थान 9 प्रतिशत है। इसके बाद 5प्रतिशत के साथ चेन्नई और उसके बाद हैदराबाद, मुंबई और कोलकाता

जैसे अन्य शहर हैं। भारत में डकैती की दर में काफी वृद्धि हो रही है और बाइक चोरी कार डकैती की तुलना में नौ गुना अधिक आम हो गई है।

इंडिया ब्लॉक के नेता बोले, सत्ता में आए तो हटा देंगे ईवीएम

- अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया

मुंबई । महाराष्ट्र के मुंबई में कांग्रेस की मेगा रैली में इंडिया ब्लॉक के नेताओं के टारगेट पर ईवीएम रही। रैली से यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि आने वाले दिनों में विपक्ष के चुनाव प्रचार में ईवीएम ही टारगेट पर रहेगी। अलायंस में शामिल पार्टियों के नेताओं ने ईवीएम से वोटिंग प्रक्रिया का विरोध किया और ऐलान किया है कि अगर हम सत्ता में आए तो ईवीएम से वोटिंग कभी नहीं होने देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रविवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन पर मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क मैदान में इंडिया ब्लॉक के दिग्गज नेताओं को जमावड़ा लगा। यहां नेताओं ने वोटिंग के लिए ईवीएम के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाई। सभी नेताओं ने ईवीएम वोटिंग के खिलाफ बात की और कहा कि जब इंडिया ब्लॉक सत्ता में आएगा तो ईवीएम को वोटिंग प्रक्रिया से हटा देंगे और ईसीआई को स्वतंत्रता देंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिना ईवीएम के नरेंद्र मोदी चुनाव नहीं जीत सकते हैं। हमने चुनाव आयोग से अनुरोध किया कि हमें ईवीएम दिखाएं और हमारे विशेषज्ञों को मशीन दिखाएं। उन्होंने हमें दिखाने से इनकार कर दिया। हमने मशीन और उससे निकलने वाले कागज के बारे में पूछा, लेकिन उन्होंने उन कागजों को गिनने से इनकार कर दिया। राजा की आत्मा ईवीएम में है। नरेंद्र मोदी का काम है- आपका ध्यान हटाओ। पिछले 40 वर्षों की तुलना में आज सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। पूरी व्यवस्था नियंत्रण में है। जब पहली बार उनकी सरकार सत्ता में आई तो अरुण जेटली आए, मुझसे कहा कि भूमि अधिग्रहण के बारे में मत बोलो। मैंने पूछा कि मैं इसके बारे में क्यों नहीं बोलूंगा? उन्होंने कहा कि अगर मैं बोलूंगा तो हम आप पर केस डाल देंगे। ईडी मेरे पास आई और उन्होंने मुझसे 50 घंटे तक पूछताछ की।

मुलायम सिंह के करीबी पूर्व सांसद देवेंद्र यादव भाजपा में शामिल

नई दिल्ली।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कभी पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के करीबी रहे पूर्व सांसद देवेंद्र यादव ने सपा को बाय बाय कहकर भाजपा से हाथ मिला लिया है।

यादव ने लखनऊ के बीजेपी दफ्तर में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।इससे पहले समाजवादी पार्टी ने बीजेपी के परंपरागत वोट माने जाने वाले शाक्य समाज से अपना प्रत्याशी उतार कर उन्हें झटका दिया था। इसके बाद भाजपा ने समाजवादी पार्टी के परंपरागत माने जाने वाला यादव वोट बैंक में सेंध लगाते हुए यादव समाज के प्रभावशाली नेता देवेंद्र

यादव को पार्टी में शामिल कर एटा की लड़ाई को दिलचस्प बना दिया है। कासगंज के अलीपुर बरवारा के रहने वाले देवेंद्र सिंह यादव ने अपने राजनैतिक जीवन की शुरुआत गांव में प्रधान के चुनाव से की थी।

उसके बाद देवेंद्र सिंह यादव तीन बार सोरो से ब्लॉक प्रमुख रहे। 1979 में कांग्रेस से पहली बार देवेंद्र सिंह यादव विधानसभा पहुंचे और उसके बाद 1984 में समाजवादी पार्टी से देवेंद्र सिंह यादव विधायक बने।

उसके बाद देवेंद्र सिंह यादव समाजवादी पार्टी से 1999 में पहली बार सांसद बने और फिर 2004 में दूसरी बार समाजवादी पार्टी से ही देवेंद्र सिंह यादव लोकसभा पहुंचे। 2009 में कल्याण सिंह के सामने देवेंद्र सिंह यादव लोकसभा का चुनाव हार गए और उसके बाद 2014 और 2019 में कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह ने देवेंद्र सिंह यादव को लोकसभा चुनाव में मात दी थी।

लड्डू मार होली में हादसा-

22 लोग घायल,एसएसपी ने किया घटना से इंकार

मथुरा।

मथुरा के बरसाना में लड्डू मार होली के दौरान राधा रानी मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने से भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस बीच राधा रानी मंदिर में सीढ़ी की रेलिंग टूटने से 20 से अधिक लोग घायल हो गए। खुद मंदिर के पुजारी ने मीडिया को इस बात की जानकारी दी है। बरसाना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ मनोज वशिष्ठ ने कहा कि घटना के बाद 22 लोगों को केंद्र में लाया गया था और उनमें से अधिकांश को फ्रैक्चर हुआ है। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि घायलों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया गया। बाद में भीड़ को नियंत्रित किया गया जिससे भक्तों को दर्शन करने में सुविधा हुई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में उत्सव के तहत बांटे जा रहे लड्डुओं को पाने की कोशिश कर रहे थे, तभी यह घटना घटी। कई सारे लोग दीवार कूदकर लड्डू लेने की कोशिश कर रहे थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। घटना रविवार शाम की है जब श्रद्धालु कई घंटों से मंदिर के दरवाजे खुलने का इंतजार कर रहे थे। मंदिर के पुजारी के अनुसार, मंदिर में होली से पहले उत्सव का आयोजन किया गया था और जिस वक्त रेलिंग गिरी तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में आए थे। वहीं दूसरी तरफ इस तरह की घटनाओं से जिले के एसएसपी शैलेश कुमार पांडे साफ इनकार करते हैं। उनका कहना है कि बरसाना में लड्डू मार होली का जश्न चल रहा है।

पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालु पूजा-अर्चना कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। भगदड़ की अफवाह फैलाई जा रही है। भीड़ ज़रूर बहुत है लेकिन सुरक्षा के इंतज़ाम पर्याप्त हैं। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि अफवाहों पर ध्यान न दें।

पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को झटका, कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द कर कहा- आज ही करें सरेंडर

नई दिल्ली।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने सभी याचिकाएं रद्द करते हुए जैन से कहा कि आप आज ही सरेंडर कर दें। सत्येंद्र जैन के अलावा मामले में सह आरोपी अंकुश जैन और वैभव जैन की भी जमानत याचिकाएं खारिज हो गई हैं। जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सत्येंद्र जैन को मई 2022 में ईडी ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि साल 2018 में ईडी ने इस मामले में सत्येंद्र जैन से पूछताछ की थी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने 22 मई 2022 में उनकी गिरफ्तारी का विरोध भी किया था। इसके बाद 26 मई, 2023 को सत्येंद्र जैन को खराब स्वास्थ्य के आधार पर जमानत मिल गई थी। तबसे वह इलाज करा रहे हैं। आप नेता के खिलाफ सीबीआई ने 2017 में प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के तहत एफआईआर फाइल की थी। इस एफआईआर में सत्येंद्र जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाया गया था। एफआईआर के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग चार कंपनियों के जरिये की गई जो सीधा सत्येंद्र जैन से जुड़ी हैं। कोर्ट ने मेडिकल ग्राउंड पर उन्हें करीब नौ महीने पहले अंतरिम जमानत दी थी। हालांकि कोर्ट ने उन पर इस

मामले से जुड़े गवाहों, शिकायतकर्ताओं आदि पर प्रभाव का इस्तेमाल करने, उनसे और मीडिया से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने, राजनीतिक गतिविधियों में हिस्सा लेने जैसी कई तरह की पाबंदियां भी लगाई थीं। सुप्रीम कोर्ट ने 26 मई 2023 को सत्येंद्र जैन को इलाज के लिए अंतरिम जमानत पर छह हफ्ते के लिए न्यायिक हिरासत से छोड़ा था। समय-समय पर बढ़ते हुए अब इस अवधि को नौ महीने से भी ज्यादा वक्त हो गया है।

मुजफ्फरनगर में तंबाकू देने से मना किया तो सिपाही ने टीचर को गोलियों से भूना

मुजफ्फरनगर ।

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक सिपाही ने रविवार को एक टीचर टीचर को गोलियों से हत्या कर दी। सिपाही ने सरकारी कार्बाइन से टीचर को गोली मारी। घटना के वक्त सिपाही और टीचर एक ही वाहन में सवार थे। वे यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर वाराणसी से मुजफ्फरनगर आए थे। तभी वाहन में दोनों के बीच विवाद हो गया जिसके चलते सिपाही ने यह उसको गोलियों से भून दिया।

बताया जा रहा है कि हत्यारोपी सिपाही शराब के नशे में था और वह रात के समय टीचर से तंबाकू की मांग कर रहा था। तंबाकू ना देने पर आरोपी सिपाही ने इस घटना को अंजाम दे डाला। गोलियों की आवाज से मौके पर हड़कंप मच गया। दरअसल 14 मार्च को वाराणसी से एक टीम यूपी बोर्ड हाई स्कूल परीक्षा की कॉपी लेकर अन्य जनपदों में स्थित कॉलेज में जमा करने के लिए निकली थी। जिसमें टीचर धर्मेंद्र कुमार, संतोष कुमार व पुलिस टीम में उप निरीक्षक नागेंद्र चौहान मुख्य आरक्षी चंद्र प्रकाश के साथ 2 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी जितेंद्र मौर्य व कृष्ण प्रताप शामिल थे।

यह टीम प्रयागराज, शाहजहांपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद और बिजनौर में कॉपियां उतारकर रविवार की देर रात मुजफ्फरनगर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र स्थित एसडी इंटर कॉलेज पर पहुंची थी। कॉलेज के गेट बंद होने के चलते टीम रात के समय गाड़ी में ही आराम कर रही थी। इसी दौरान टीम में शामिल कॉन्स्टेबल चंद्रप्रकाश द्वारा टीचर धर्मेंद्र कुमार से तंबाकू की मांग की गई जिस पर तंबाकू ना देने के चलते शराब के नशे में चूर चंद्रप्रकाश ने अपनी कार्बाइन से टीचर धर्मेंद्र पर फायरिंग कर दी। जिसमें कई गोलियां लगने से टीचर धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए।

घटना की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल टीचर को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों ने उपचार के दौरान टीचर को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने जहां टीचर के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया तो वहीं टीम में शामिल सभी लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

गुजरात से यूपी के लिए निकली ट्रेन राजस्थान में हुई बेपटरी

जयपुर।

गुजरात से उत्तर प्रदेश के लिए निकली साबरमती सुपरफास्ट ट्रेन राजस्थान में पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि किसी यात्री के घायल होने की खबर नहीं आई। ये हादसा उस वक्त हुआ जब साबरमती (अहमदाबाद) से आगरा जा रही ट्रेन के चार डिब्बे अजमेर में पटरी से उतर गए। दुर्घटना में कुछ यात्रियों को घायल होने की जानकारी मिली है। देर रात हुए हादसे के बाद मौके पर राहत और बचाव का काम शुरू किया गया।साबरमती-आगरा कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12548) के चार डिब्बे रात करीब 1 बजे पटरी से उतर गए। बताया जा रहा है कि सुपरफास्ट ट्रेन एक मालगाड़ी से टकराने के बाद दुर्घटना का शिकार हुई।

उत्तर-पश्चिमी रेलवे के सीपीआरओ शशि किरण ने कहा, साबरमती से आगरा जाते समय ट्रेन (12548) अजमेर में मादर में सिग्नल के पास पटरी से उतर गई। इंजन और चार जनरल कोच पटरी से उतरे हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, कुछ लोगों को मामूली चोटें आई हैं और उनका उपचार कराया जा रहा है। हादसा अजमेर में मादर रेलवे स्टेशन के पास हुआ। जिस वक्त दुर्घटना हुई, ट्रेन में अधिकतर लोग सो रहे थे। हादसे के बाद वहां चीख पुकार मच गई। यात्रियों ने बताया कि तेज आवाज के साथ डिब्बे पटरी से उतर गए। देर रात दुर्घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव का काम शुरू किया गया। गनीमत है कि हादसे में किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। कुछ यात्रियों को के मामूली रूप से घायल बताए जा

रहे हैं। घायलों को अजमेर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त बोगियों को पटरी से हटाने का काम चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

हैदराबाद में चड्डी गैंग ने स्कूल से चुराए 7.85 लाख

हैदराबाद ।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में चड्डी गैंग ने एक स्कूल में घुसकर 7 लाख 85 हजार रुपए चुरा लिए हैं। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। यह घटना शनिवार रात के समय हुई। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज में 2 चोर स्कूल परिसर के अंदर घूम-घूमकर चोरी करते हुए नजर आ रहे हैं। चोरों ने शरीर में सिर्फ अंडर वियर पहन रखी है। पहचान छुपाने के लिए दोनों ही चोरों ने चेहरे को नकाब से ढक रखा है। फुटेज में यह भी दिखाया गया है कि एक चोर छुपते-छुपाते हुए सीढ़ियों से ऊपर की तरफ जा रहा है। इस तरह की चोरी पहले भी देशभर के अलग-अलग इलाकों में सामने आती रही है। करीब एक साल पहले बिहार की राजधानी पटना में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था जिसमें चड्डी-बनियान गैंग ने इलेक्ट्रॉनिक दुकान को निशाना बनाया था। चोरों ने दुकान में घुसकर काउंटर से 2 लाख रुपए की चोरी की थी। इससे पहले मुंबई और भोपाल में भी चड्डी-बनियान गिरोह का आतंक सामने आ चुका है। मुंबई पुलिस ने ऐसे 3 चोरों को पकड़ा था जो बंद घरों में चड्डी बनियान पहनकर चोरी किया करते थे।

त्रिपुरा में वाम मोर्चा और कांग्रेस ने मिलाया हाथ

अगरतला ।

लोकसभा चुनाव को लेकर देश के तमाम राजनैतिक दल अपनी अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं इसी संभावना के तहत मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चा ने रविवार को त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट (एसटी) के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा की और त्रिपुरा पश्चिम सीट पर कांग्रेस का समर्थन करने का फैसला किया। सीपीआई-एम की राज्य समिति और वाम मोर्चा की अलग-अलग बैठकों के बाद, वाम मोर्चा के संयोजक नारायण कर ने कहा कि पूर्व सीपीआई-एम विधायक राजेंद्र रियांग त्रिपुरा पूर्व लोकसभा सीट के लिए वाम दल के उम्मीदवार होंगे, जो आदिवासियों के लिए आरक्षित है। उन्होंने कहा कि माकपा की पश्चिम जिला समिति के सचिव पूर्व विधायक रतन दास को रामनगर विधानसभा सीट से मैदान में उतारा जाएगा, जहां 19 अप्रैल को उपचुनाव होना है। भाजपा विधायक सुरजीत दत्ता के 28 दिसंबर को निधन हो जाने के कारण यह विधानसभा सीट खाली हो गई थी। वामपंथी नेता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि वाम मोर्चा ने इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में भाजपा को हराने के लिए गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर चुनावी लड़ाई लड़ने का फैसला किया है।

लालू की बेटी रो हिणी लड़ सकती हैं चुनाव

पटना ।

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) सुप्रीमो लालू यादव अपनी एक और बेटी रोहिणी आचार्य को भी इस लोकसभा चुनाव के जरिए राजनीति में प्रवेश करवा सकते हैं। इस बात की पूरी संभावना जताई जा रही है कि सिंगापुर में रहने वाली लालू यादव की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य चुनाव लड़ सकती है। रोहिणी आचार्य ने पिछले साल अपने पिता को एक किडनी दान में दी थी जिसको लेकर उनकी खूब प्रशंसा हुई थी। अब ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द लालू अपनी बेटी रोहिणी को भी राजनीति में लॉन्च कर सकते हैं। रोहिणी से पहले लालू परिवार में उनकी पत्नी राबड़ी देवी मुख्यमंत्री रह चुकी हैं और उनके तीन बच्चे मीसा भारती, तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव भी सक्रिय राजनीति में हैं। मीसा भारती इस वक्त राज्यसभा सांसद हैं, वहीं तेजस्वी यादव पूर्व उपमुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष तेज प्रताप यादव भी बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और विधायक हैं। लालू यादव ने भी 70 के दशक में इसी सीट से राजनीति की शुरुआत की थी। गौरतलब है लालू पहली बार छपरा (अब सारण) लोकसभा सीट से सिर्फ 29 साल की उम्र में 1977 में सांसद बने थे। इसके बाद 1989 और 2004 में भी उन्होंने सारण से ही चुनाव जीता था।

चुनावी बॉन्ड विवाद से मतदाता रहेंगे बेअसर: सर्वेक्षण

नई दिल्ली ।

चुनावी बॉन्ड पर हाल में उठे विवाद का मतदाताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा और आगामी लोक सभा चुनाव के नतीजे भी इससे बेअसर रहेंगे। ये बातें एक सर्वेक्षण में सामने आई हैं। इस सर्वेक्षण में 10 मुख्य कार्याधिकारियों (सीईओ) से चुनावी बॉन्ड पर उठे विवाद पर उनकी राय पूछी गई। इन सीईओ ने कहा कि राजनीतिक दलों को चंदा देने वाली कंपनियों एवं लोगों के नामों के खुलासे से मतदाता प्रभावित नहीं होंगे और न ही इससे लोक सभा चुनाव के नतीजों पर ही कोई असर पड़ेगा। जब इन सीईओ से नरेंद्र मोदी सरकार के कामकाजी प्रदर्शन एवं विकास कार्यों पर उनकी राय पूछी गई तो उन्होंने 1 से 5 के पैमाने पर औसतन 4.1 रेटिंग दी। एक सीईओ ने मोदी सरकार को 3 रेटिंग दी जबकि दो ने मोदी सरकार के प्रदर्शन एवं विकास कार्यों को 5 में 5 रेटिंग दी। एक सीईओ ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि पिछले पांच साल चुनौतीपूर्ण रहे हैं। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले सीईओ में 30 प्रतिशत ने कहा कि कंपनियों से एवं निजी स्तर पर चंदा लेने से बचने के लिए चुनाव खर्च के लिए सरकारी स्तर पर ही प्रावधान किया जाना चाहिए। मगर इतने ही सीईओ इस तर्क से सहमत नहीं हुए। 40 प्रतिशत ने चुनाव पर होने वाले खर्च के लिए सरकारी स्तर पर प्रावधान किए जाने के बारे में कुछ नहीं कहा। सर्वेक्षण में भाग लेने वाले आधे सीईओ ने कहा

कि राजनीतिक चंदे के विषय पर उनके निदेशक मंडल (बोर्ड) में कोई स्वीकृत नीति नहीं है। 40 प्रतिशत का कहना था कि उनके बोर्ड में राजनीतिक चंदे पर मंजूरी ली जाती है। उपभोक्ता उत्पाद (कंज्यूमर प्रोडक्ट्स) बनाने वाली एक कंपनी के सीईओ ने कहा कि चुनावी खर्च के लिए मिलने वाली रकम को लेकर थोड़ी और पारदर्शिता की जरूरत है। हमें इस मामले में पश्चिमी देशों से सबक लेना चाहिए।